(b) if so, steps taken in this direction?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b) Implementation of agrarian reforms in this country dates back to nearly 3 decades now. The policy has been enunciated in successive Plan documents starting with the First Five Year Plan. Corrective measures have been taken from time to time in the light of experience gained in the course of implementation.

राजस्थान में चने का उत्पादन

1734. **श्री राम कंवार बेरवा :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चने के उत्पादन में सम्पूर्ण देश मे राजस्थान का दूसरा स्थान है किन्तु चने की फसल को कीटाणु लगने मे इसकी फसल निरन्तर कम हो रही है ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा चने को कीटाणु मुक्त करने सम्बन्धी कार्यक्रम के लिए राज्य को कोई सहायता दी जा रही है अथवा देने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) 1975–76 तथा 1976–77 के दौरान देश मे चने के उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान था। यद्यपि प्रति हेक्टर पैदावार मे वर्षानुवर्ष आधार पर उतार चढ़ाव होता रहा है, किन्तु गत दो वर्षों के दौरान पैदावार में वृद्धि हुई है।

(ख) जी हां। भारत सरकार ने दाल विकास की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार को चने समेत दालों की फसल से लगने वाले कीटों, कृमियों तथा रोगों का नियंत्रण करने के लिए सहायता प्रदान की है।

(ग) वनस्पति रक्षण रसायनों के लागत पर 25 प्रतिशत राज सहायता (जो प्रति हेक्टर अधिक से अधिक 15 रु० होगी) तथा दाल की फसलों पर लगने वाले कीटों, कृमियों व रोगों के नियंत्रण हेतु वनस्पति रक्षण उपकरणों की खरीद पर 50 प्रतिशत राज सहायता दी जाती है। इसके अलावा, स्थानिक महामारी के क्षेत्रों में कीटों, कृमियों तथा रोगों के नियंत्रण के लिए संचालन शुल्क पर प्रति हेक्टर 12.50 रु० की राज सहायता भी दी जाती है। इस प्रयोजन के लिए वर्ष 1977–78 में राज्य सरकार को मंजूर की गई राज सहायता की रकम नीचे दी गई है :—

	रुपये
(1) वनस्पति रक्षण रसायन	2,62,000
(2) वनस्पति रक्षण उपकरण	1,15,000
(3) वनिस्पत रक्षण के सचालन शुल्क	12,500
योग	3,89,500

Foodgrains spoiled in FCI Godowns

1735. SHRI MURLI MANOHAR JOSHI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the value of foodgrains spoiled in the godowns of the Food Corpora-